नरग [त्रौ गो मनोज्ञा H. 2. 70] प्रकाशिता, मनोज्ञा.
नसल [नसलाः करहञ्ची Pp. 2. 62] करहञ्ची.
भजग [भ्जौ गः शारदी H. 2. 64] धुनी, पञ्चमगति, शारदी.
भनग [चित्रमिह भनगैः Jk. 2. 59] चित्र.
भभग [भौ गः कलिका H. 2. 59] कलिका, भोगवती, सोपान.
भसग [भ्सौ गो विधुवक्त्रा H. 2. 60] मदलेखा, विधुवक्त्रा.
मभग [म्भौ गः सरलम् H. 2. 61] सरल.
ममग [मौ गा गान्धर्वी H. 2. 52] गान्धर्वी, शीर्षरूपक.
मसग [म्सौ गो मदलेखा H. 2. 55] मदलेखा.
यसग [य्सौ गो मुदिता H. 2. 69] मुदिता.
रजग [जौ ग उष्णिक् H. 2. 53] उष्णिक्, कामिनी, खेटक, गोमिनी, रक्ता, शिखा, समानिका.
ररग [रौ गो हंसमाला H. 2. 58] हंसमाला.
रसग [सौ ग उद्धता H. 2. 56] उद्यता, उद्धता.
सजग [स्जौ गो विमला H. 2. 66] विमला.
सरग [स्त्रौ गो दीप्ता H. 2. 71] दीप्ता, हंसमाला.

8 अनुष्टुभ् (35)

जतगग [जतगा गः वितानम् Vr. 3. 19] वितानम्.
जरगल [जरगलाः सुचन्द्रप्रभा Ckau. 2. 27] सुचन्द्रप्रभा.
जरलग [प्रमाणिका जरौ लगौ Vr. 3. 18] नगस्वरूपिणी, नाराचक, प्रमाणिका, बालगर्भिणी, मत्तचेष्टित, स्थिर.
तजलग [आनुष्टुभि ताज्जलगाः Jk. 2. 62] अनुष्टुभ्.
ततगग [तौ गौ यदा केतुमाला Jk. 2. 71] केतुमाला.
तमगल [तो मोगला मृत्युञ्जयः । अ० वृ० र० 8. 69] मृत्युञ्जय.
तरगग [त्रौ गौ विभा H. 2. 72] विभा.
तरलग [नाराचकं तरौ लगौ Jk. 2. 70] नाराच (नाराचिका).
तसगग [तसगा गः श्यामा Vjs. 5. 10] श्यामा.
नजगग [नजगा गः चित्तविलासितम् Bh. 15. 26] चित्तविलासित.
नजलग [नज्जौ लगौ ललितगतिः H. 2. 80] ललितगति.
ननगग [नौ गौ रतिमाला H. 2. 86] रतिमाला, तुङ्ग, मधुकर-सदृशाख्या.
ननलग [ननलगा कुसुमम् Vjs. 5. 14] कुसुम, सुविकासितकुसुम.
नभलग [नभलगा गजगतिः Chm. 2. 21] गजगति.
नरलग [नरलगैः सुमालती Jk. 2. 72] सुमालती.
नसगग [न्सौ गौ गुणलयनी H. 2. 15] गुणलयनी.
नसलग [नसलगा मही Bh. 32. 133] कमल, मही.
भतलग (4. 4) [माणवकं भात्तलगाः Jk. 2. 69] माणवक, माणवकक्रीडितक.
भनलग [भनलगैर्नदी Bh. 32. 139] नदी.
भभगग [चित्रपदा भौ गौ P. 6. 5] चित्रपदा, वितान.
भरलग [नागरकं भरौ लगौ Vr. 3. 19] नागरक.
मनगग [म्नौ गौ हंसरुतम् H. 2. 79] हंसरुत.
ममगग (4. 4) [मो मो गो गो विद्युन्माला Chm. 2. 18] विद्युन्माला, विद्युल्लेखा, सोमकान्त.
मरलग [म्रौ ल्गौः चेद्वृक्ष्यते क्षमा Jk. 2. 63] क्षमा.
यरगल [सुचन्द्राभा यूरौ ग्लौ Ckau. 8. 146] सुचन्द्राभा.
रजगग [जौ गौ सिंहलेखा H. 2. 81] मानिनी, मालिनी, समानिका, सिंहलीला, सिंहलेखा.
रजगल [रात् ज्गलैः समानी Jk. 2. 66] समानी.
रयलग [रो यलौ गुरुः स्याल्लता P. 6. 4] अनुष्टुभ्, लता, हंसिनी.
ररगग [पद्ममाला च रौ गौ Ckau. 2. 26] पद्ममाला, पद्मिनी.
रसगग [गाथो रसगगैः Vjs. 4. 57] गाथ.
सनलग [विमलजला सनलगैः Bh. 32. 128] विमलजला.
सभगग [सभगा गो यदि मोदः अ० वृ० र० 8. 52] मोद.
सरगल [सुविलासा सरौ ग्लौ Ckau. 2. 28] सुविलासा.
ससलग [सौ ल्गौ मही H. 2. 85] मही.
8 Short letters [वसुलमचलम् P. 6. 4] अचल.

9 बृहती (30)

जतर [जतौर्यदा चारुहासिनी Jk. 2. 77] चारुहासिनी.
तनम [तन्मा मकरलता H. 2. 102] कनकलता, मकरलता.
तभय [तभ्या रुचिरा H. 2. 100] रुचिरा.
नजय [नज्याः शशिलेखा H. 2 103] शशिलेखा.
नजर [नजरा बुद्बुदम् Bh. 32. 284] बुद्बुद.
ननम [भुजगशिशुभृता नौ मः Vr. 3. 21] मधुकरिका, भुजगशिशुभृता, भुजगशिशुसृता.
ननर [ननरयुतमुपच्युतम् Jk. 2. 82] उपच्युत.
ननस [नौ सौ लघुमणिगुणानिकरः H. 2. 104] कमला, लघुमणिगुणानिकर.
नयस [नयसैः साराङ्गिका Pp. 2. 79] साराङ्गिका.
नरर [कुसुमिता नरौ रो यदा P. 6. 7] कुसुमिता, बृहतिका.
नसय [नस्या विशाला H. 2. 101] गुर्वी, बिम्ब, विशाला, शलभविचलिता.
भजस [भजसा उदयम् H. 2. 92] उदय.
भभर [भौ रपरौ तदनूत्सुकम् Jk. 2. 80] उत्सुक.
भमम (5-4) [स्निग्धा स्याद् भममा यत्र हराननयुगैर्यतिः Mm. 10. 6] वक्त्र, स्निग्धा.
भमस [स्यान्मणिमध्यं चेद् भमसाः Ckau. 9. 199] मणिबन्ध, मणिमध्या, सिंहाक्रान्ता.
मतय [मात् त्यौ स्तश्चेत् सुन्दरलेखा Jk. 2. 74] सुन्दरलेखा.
मनय [मनयैर्मकरलता Kd. 4. 21] मकरलता.
मभस [मभ्सा: सिंहाक्रान्ता H. 2. 105] सिंहाक्रान्ता, पवित्रा.
ममम [ममौ मो रूपमाला Pp. 2. 88] रूपमाला, कर्पूर.
मसस [मः सौ कनकम् H. 2. 77] कनक, गाथा.
ययय [बृहत्यं त्रयो याः Jk. 2. 73] बृहत्य.
रजर [रज्राः कामिनी H. 2. 106] कामिनी, तरङ्गवती, भाविनी.
रनर [नैरा भद्रिका H. 2. 94] भद्रिका.
रनस (3-6) [रान्नसौ खलु हलमुखी Jk. 2. 76] हलमुखी.
ररर [ररैर्महालक्ष्मी Pp. 2. 76] महालक्ष्मी.
सजज [सजौ जस्तोमरम् Pp. 2. 86.] तोमर.
सजर [सजरैर्भुजङ्गसंगता Ckau. 2. 32] भुजङ्गसंगता.
सजस [बृहतीजमक्षि सजसैः Jk. 2. 75] अक्षि.
ससम [सौ मस्तारम् H. 2. 98] तार.
ससस [सिः सौम्या H. 2. 99] सौम्या.

10 पङ्क्ति (36)

जजजग [जिगाबुषिता (जजजा ग उषिता) H. 2. 116] उषिता.
तजजग [तो जौ ग उपस्थिता H. 2. 120] उपस्थिता.
ततरग (5-5) [आन्दोलिका ततरगाः सायकैर्यतिः Mm. 16. 8] आन्दोलिका.
तयभग [तयभगाः सुषमा Pp. 2. 96] सुषमा.
तयसग [त्यौ सुगाविति चेत् सा मदिराक्षी Jk. 2. 88] मदिराक्षी.
नजनग (5-5) [कुलटा स्यान्नजनगाः पञ्चभिः पञ्चभिर्यतिः Mm. 16. 11.] अमृतगति, कुलटा, त्वरितगति.